भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

24.07.2019 के

तारांकित प्रश्न सं. 456 का उत्तर

रेलवे स्टेशनों का उन्नयन

***456. श्री आर. के. सिंह पटेलः**
श्री सुखबीर सिंह जौनापुरियाः

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने पर्यटन और वाणिज्यिक महत्व के दृष्टिगत उत्तर पूर्व रेल के अंतर्गत चित्रकूटधाम कर्वी रेलवे स्टेशन सहित 400 रेलवे स्टेशनों का उन्नयन करने का कोई निर्णय लिया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में वर्तमान स्थिति क्या है;

(ग) क्या इसमें सवाई माधोपुर स्टेशन सम्मिलित है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) उन डेवलपरों का ब्यौरा क्या है जिन्होंने इन रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास करने में उत्सुकता दिखाई है?

उत्तर

रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)

(क) से (घ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

रेलवे स्टेशनों के उन्नयन के संबंध में दिनांक 24.07.2019 को लोक सभा में श्री आर.के. सिंह पटेल और श्री सुखबीर सिंह जौनापुरिया के तारांकित प्रश्न सं.456 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (घ): रेल मंत्रालय विभिन्न एजेंसियों के जरिए चरणबद्ध आधार पर रेलवे स्टेशनों के तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता अध्ययन शुरू करता है, इसमें चित्रकूटधाम करवी और सवाई माधोपुर स्टेशन शामिल हैं। इन व्यवहार्यता अध्ययनों के परिणामों के आधार पर स्टेशनों को पुनर्विकसित करने, विशेषरूप से प्रमुख शहरों और महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों में स्थित स्टेशनों के लिए चरणबद्ध आधार पर योजना बनाई जाती है। स्टेशन पुनर्विकास परियोजना की लागत स्टेशनों और उनके आस-पास की भूमि एवं नभ क्षेत्र के वाणिज्यिक विकास से लाभ उठाते हुए पूरी की जानी है।

डेवलेपरों का चयन पारदर्शी बोली प्रक्रिया के जरिए किया जाना है। तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता अध्ययनों की रिपोर्ट तैयार होने के बाद, स्टेशनों के लिए बोलियां चरणबद्ध आधार पर आमंत्रित की जानी हैं।

*****